

भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या- *116
दिनांक 03 दिसंबर, 2024 के लिए प्रश्न

दुर्घट उत्पादन

*116 श्रीमती गनीबेन नागाजी ठाकोर:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में दुर्घट उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का व्यौरा क्या है;
- (ख) दुर्घट उत्पादकों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का व्यौरा क्या है;
- (ग) क्या देश में दूध की आपूर्ति में कमी है; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

‘दूध उत्पादन’ के संबंध में दिनांक 03 दिसंबर, 2024 को लोक सभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *116 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए किए जा प्रयासों को पूरित और संपूरित करने के लिए, भारत सरकार पूरे देश में बोवाईन पशुओं के दूध उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन को लागू कर रही है:

- (i) राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम: राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत, पशुपालन और डेयरी विभाग देशी नस्लों सहित बोवाईन पशुओं के दूध उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम गर्भाधान कवरेज का विस्तार कर रहा है। आज की तिथि तक, 7.3 करोड़ पशुओं को कवर किया गया है, 10.17 करोड़ कृत्रिम गर्भाधान किए गए हैं, जिससे 4.58 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं।
- (ii) संतति परीक्षण और नस्ल चयन: इस कार्यक्रम का उद्देश्य देशी नस्लों के सांडों सहित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों का उत्पादन करना है। संतति परीक्षण को गोपशु की गिर, साहीवाल नस्लों तथा भैंसों की मुराह, मेहसाणा की नस्लों के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है। नस्ल चयन कार्यक्रम के अंतर्गत गोपशु की राठी, थारपारकर, हरियाना, कांकरेज की नस्ल और भैंस की जाफराबादी, नीली रवि, पंढारपुरी और बन्नी नस्लों को शामिल किया गया है। अब तक 3,988 उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों का उत्पादन किया गया है और उन्हें वीर्य उत्पादन के लिए शामिल किया गया है।
- (iii) सेक्स-सॉर्टिंग वीर्य उत्पादन: विभाग ने गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश में स्थित 5 सरकारी वीर्य स्टेशनों पर सेक्स सॉर्टिंग वीर्य उत्पादन सुविधाएं स्थापित की हैं। 3 निजी वीर्य स्टेशन भी सेक्स सॉर्टिंग वीर्य खुराक का उत्पादन कर रहे हैं। अब तक उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों से 1.12 करोड़ सेक्स-सॉर्टिंग वीर्य खुराकों का उत्पादन किया गया है और उसे कृत्रिम गर्भाधान के लिए उपलब्ध कराया गया है।
- (iv) इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) तकनीक का कार्यान्वयन: देशी नस्लों के उत्कृष्ट पशुओं का प्रसार करने के लिए, विभाग ने 22 आईवीएफ प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं और 22,896 व्यवहार्य भूणों का उत्पादन किया है, जिनमें से 12,846 भूण स्थानांतरित किए गए हैं और 2019 बछड़े-बछड़ियों का जन्म हुआ है।
- (v) जीनोमिक चयन: गोपशु और भैंसों के आनुवंशिक सुधार में तेजी लाने के लिए, विभाग ने देश में जीनोमिक चयन शुरू करने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई एकीकृत जीनोमिक चिप्स विकसित की हैं- देशी गोपशुओं के लिए गौचिप और भैंसों के लिए महिषचिप।
- (vi) ग्रामीण भारत में बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (मैत्री): इस योजना के तहत मैत्री को किसानों के द्वारा पर गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित किया जाता है। पिछले 3 वर्षों के दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत 38,736 मैत्री को प्रशिक्षित और सुसज्जित किया गया है।

(ख) पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा लागू की जा रहीं विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत दुग्ध उत्पादकों को निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं:

(i) राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के अंतर्गत किसानों को निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं:

1. राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम: इस कार्यक्रम के अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं किसानों के द्वारा पर निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं और इस कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 4.58 करोड़ किसान लाभान्वित हुए।
2. सेक्स-सॉर्टिंग वीर्य का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम: इस कार्यक्रम का उद्देश्य 90% तक सटीकता के साथ बछियों का उत्पादन करना है, जिससे नस्ल सुधार और किसानों की आय में वृद्धि हो। किसानों को सुनिश्चित गर्भाधारण के लिए सेक्स-सॉर्टिंग वीर्य की लागत के 50% तक सहायता मिलती है। अब तक, इस कार्यक्रम से 341,998 किसान लाभान्वित हो चुके हैं।
3. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) तकनीक का उपयोग करते हुए त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम: इस तकनीक का उपयोग बोवाईन पशुओं के तीव्र आनुवंशिक उन्नयन के लिए किया जाता है और आईवीएफ तकनीक अपनाने में रुचि रखने वाले किसानों को प्रत्येक सुनिश्चित गर्भावस्था पर 5,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाती है।

(ii) राष्ट्रीय पशुधन मिशन: इस मिशन का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण आहार एवं चारे की उपलब्धता में सुधार करना, पशुधन (डेयरी पशुओं सहित) के लिए जोखिम कवरेज प्रदान करना और अन्य बातों के साथ-साथ चारा क्षेत्र में उद्यमिता विकास को बढ़ावा देना है। चारा कवरेज के तहत क्षेत्रफल को बढ़ाने के लिए सरकार बंजर भूमि/रेंज भूमि/चारागाह/गैर कृषि योग्य भूमि से चारा उत्पादन और बंजर वन भूमि से चारा उत्पादन नामक कार्यक्रम लागू कर रही है।

(iii) राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम: यह योजना सहकारी डेयरी क्षेत्र में दूध और दूध उत्पादों की खरीद, प्रसंस्करण और विपणन के लिए डेयरी अवसंरचना के निर्माण और अन्य बातों के साथ-साथ डेयरी किसानों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम, पशु-चारा और खनिज मिश्रण जैसी इनपुट सेवाएं और दूध एवं दूध उत्पादों की गुणवत्ता परीक्षण के लिए सहायता पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सहकारी समितियों में नामांकित डेयरी किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके।

(iv) किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) सुविधा: सरकार ने पशुपालन और मत्स्यपालन किसानों की कार्यशील पूंजीगत आवश्यकताओं के लिए केसीसी सुविधा विस्तारित की है। यह सुविधा व्यक्तिगत या संयुक्त उधारकर्ताओं, संयुक्त देयता समूहों या स्वयं सहायता समूहों के लिए उपलब्ध है, जिसमें स्वामित्व वाले, किराए पर या पट्टे पर दिए गए शेड वाले किरायेदार किसान भी शामिल हैं।

(v) पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (एएचआईडीएफ): 29,110.25 करोड़ रु. की निधि के साथ, यह पहल पशुधन क्षेत्र में निवेश की सुविधा प्रदान करती है, जिसमें डेयरी प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन अवसंरचना की स्थापना शामिल है। योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार 3% ब्याज सबर्वेशन उपलब्ध कराया जाता है।

(vi) विभाग, किसानों की सहायता के लिए और देश में दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए विभिन्न किसान जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रजनन शिविर आयोजित कर रहा है।

(ग) और (घ) जी नहीं। देश में दूध की कोई कमी नहीं है। भारत वैश्विक स्तर पर दूध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2023-24 के दौरान देश में 239.3 मिलियन मीट्रिक टन दूध का उत्पादन हुआ है जो कुल विश्व दूध उत्पादन का 25% से अधिक है। विभाग द्वारा राष्ट्रीय गोकुल मिशन के कार्यान्वयन तथा किए गए अन्य उपायों के कारण देश में दूध उत्पादन पिछले 10 वर्षों में 63.56% की वृद्धि के साथ वर्ष 2014-15 में 146.3 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 239.30 मिलियन टन हो गया है। पिछले 10 वर्षों में देश में दूध उत्पादन 5.7% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा है जबकि विश्व दूध उत्पादन 2% प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहा है। वर्ष 2023-24 के दौरान देश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 471 ग्राम/व्यक्ति/दिन से अधिक है, जबकि विश्व में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 322 ग्राम/व्यक्ति/दिन है।
